दैनिक
लोकहित की पुकार

MPHIN/37343

राजगढ़, मंगलवार 28 जनवरी, 2025 वर्ष-04 अंक- 83 पृष्ठ-4 मूल्य- 2 रुपए

email-lokhit ki pukar@gmail.com

पेज- 2 कांग्रेस की विभाजनकारी राहों से जुड़े खतरेकांग्रेस की पेज- 4 पीएम जनमन योजना से बदला जनजातीय लोगों का जीवन : राज्यपाल पटेल

प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन और समता मूलक समाज की अवधारणा पर देश बढ़ रहा है आगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री इंदौर में जन कल्याण अभियान के समापन कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुशासन और समता मूलक समाज पर देश को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए 63 प्रकार की विभिन्न योजनाओं जैसे आयुष्मान कार्ड, गरीबी रेखा राशन के लाभ उपलब्ध कराने के लिये राज्य सरकार के प्रतिनिधि घर-घर पहुंच रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए पुनः सर्वे कराया जा रहा है। राज्य सरकार जियो और जीने दो के सिद्धांत पर विश्वास करती है और हर गरीब का जीवन बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनकल्याण अभियान के समापन पर इंदौर के गांधी नगर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में इंदौर और उज्जैन संभाग के हितग्राही और नागरिक शामिल हुए। राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राहीमूलक योजनाओं के शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 11 दिसम्बर, 2024 से 26 जनवरी 2025 तक प्रदेश में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान चलाया गया। इसमें हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में आए नागरिकों का पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर की समरसता और समानता की भावना को केन्द्र में रखकर कार्य कर रही है। बाबा साहेब ने हमें समानता का अधिकार दिलाया और अब प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ-सबका विकास मंत्र के साथ प्रदेश सरकार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने बाबा साहेब को वह सम्मान नहीं दिया, जो उन्हें मिलना चाहिए था। हमारी सरकार ने बाबा साहेब के उन स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया है, जो उनके जीवन से जुड़ी हुए है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पक्का मकान, गैस का चूल्हा,

2029 तक प्रतिमाह निशुल्क राशन, बच्चों के अध्ययन के लिए निशुल्क पुस्तकों की व्यवस्था के साथ ही दुग्ध-उत्पादन में वृद्धि के लिए 10 से अधिक गाय पालने वालों को अनुदान की व्यवस्था की जा रही है। हर गरीब, किसान, युवा और बहनों का भला करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार लाड़ली बहनों के माध्यम से हर महीने रक्षाबंधन मना रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नशा नाश की जड़ है, अतः प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान आरंभ किया जा रहा है। शराब दुकानों को हतोत्साहित कर दूध के उत्पादन को प्रोत्साहित करना हमारा उद्देश्य है। इससे बहन-बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और सम्पन्नता सुनिश्चित होगी और परिवारों का जीवन बेहतर होगा। राज्य सरकार ने नशा के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत ही धार्मिक शहरों से यह अभियान आरंभ किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सामाजिक समरसता, गरीबों की बेहतरी, युवाओं को रोजगार और सभी के जीवन में सकारात्मक बदलाव के लिए प्रधानमंत्री मोदी की मंशा के अनुसार मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। युवा मिशन के अंतर्गत तकनीकी रूप से दक्ष युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार कार्य दिया जा रहा है। बड़ी संख्या में शासकीय नौकरियों के साथ ही औद्योगीकरण के माध्यम से निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने के लिए गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। युवा रोजगार देने वाला बने, इस लक्ष्य के लिए युवाओं में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने का कार्य हो रहा है। युवाओं के साथ ही महिला सशक्तिकरण, अन्नदाता किसानों और गरीब कल्याण के लिए भी मिशन मोड में कार्य करने के लिए 56 विभागों को चार भागों में बांटते हुए योजनाओं और कार्यक्रमों का समग्रता में संचालन कर प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में बदलाव की दिशा में कार्य जारी है।

हर हाथ को काम और हर खेत को पानी राज्य सरकार का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर हाथ को काम, हर खेत को पानी, राज्य सरकार का लक्ष्य है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में विश्व के पहले नदी जोड़ो अभियान का क्रियान्वयन हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने बुंदेलखंड की धरती में सिंचाई सुविधा के लिए एक लाख करोड़ रुपए मध्यप्रदेश को उपलब्ध कराये हैं। राज्य सरकार जंगल बचाने और पलायन रोकने की दिशा में भी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने के लिए जापान के उद्योग समूह अपनी उन्नत तकनीक के साथ प्रदेश में कार्य करने के इच्छुक हैं। इसका लाभ लेते हुए राज्य में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए जापानी उद्योग समूहों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से वे जापान जा रहे हैं।

आरटीओ के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा का सरेंडर!

भोपाल। ईडी, आईटी और लोकायुक्त के छापे के बाद से फरार चल रहे आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा ने सोमवार को वकील राकेश परासर के जरिए कोर्ट में सरेंडर के लिए आवेदन दिया है। इस पर कोर्ट ने सुनवाई के लिए मंगलवार 11 बजे लोकायुक्त पुलिस से केस की डायरी लाने को कहा गया है। इससे पहले कोर्ट में करोड़पति कांस्टेबल सौरभ शर्मा के सरेंडर करने को लेकर तीन घंटे ड्रामा चला। सौरभ शर्मा के वकील राकेश परासर ने बताया कि दोपहर 12 बजे के करीब फर्स्ट एडीजे आरपी मिश्रा की कोर्ट में सरेंडर का आवेदन दिया और सौरभ ने सरेंडर कर दिया। परासर ने कहा कि कोर्ट ने लोकायुक्त से केस डायरी के साथ मंगलवार 11 बजे आने को कहा है। लोकायुक्त पुलिस भी कोर्ट पहुंची। इसके बाद लोकायुक्त डीजी जयदीप प्रसाद ने बताया कि हमें जानकारी मिली है कि सौरभ शर्मा की तरफ से उनके वकील ने आवेदन दिया है कि वह सरेंडर कना चाहता है। सौरभ कहां है इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। कोर्ट में वकील की तरफ से सरेंडर का आवेदन देने के बाद सौरभ शर्मा की मुश्किलें बढ़ गई है। अब सौरभ शर्मा के भोपाल में होने की जानकारी के बाद एजेंसियां भी सक्रिय हो गई है। अब सौरभ शर्मा के कोर्ट में सरेंडर करने से पहले एजेंसियां उसकी गिरफ्तार करने जुट गई है।

कार व ऑटो की टक्कर में दो की हुई दर्दनाक मौत

उज्जैन। उज्जैन के एमआर-5 रोड चिमंगज मंडी थाना क्षेत्र में भीषण हादसा हो गया। सेंटपाल स्कूल के पास कार और ऑटो की टक्कर में ऑटो चालक और उसकी 2 साल की बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने गुस्से में रोड पर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने इस मार्ग पर सुरक्षा उपायों की कमी को लेकर प्रशासन को आड़े हाथों लिया। बता दें कि उज्जैन के ढांचा भवन निवासी शेख जीशान (38) अपनी पत्नी शहाना (30), बेटे आरिल और छह माह की बेटी अनाविया को लेकर ससुराल से लौट रहे थे। सेंटपाल स्कूल के पास टर्न लेते वक्त एक तेज रफ्तार कार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और कार नाले में जा गिरी। हादसे में जीशान और उनकी बेटी अनाविया की मौके पर मौत हो गई। जबकि पत्नी शहाना और बेटे को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद क्षेत्रवासियों ने रोड पर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि, इस सड़क पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं, लेकिन कोई सुरक्षा उपाय नहीं किए गए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पूरे दो किमी की सड़क पर स्पीड ब्रेकर और संकेतक लगाए जाएं।

बुराड़ी में बड़ा हादसा, चार मंजिला इमारत गिरी

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी में ऑस्कर पब्लिक स्कूल के पास नवनिर्मित चार मंजिला इमारत सोमवार शाम को ढह गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मलबे से अब तक 12 लोगों को निकाला गया है, अभी और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा कि उन्हें शाम करीब सात बजे सूचना मिली कि ऑस्कर पब्लिक स्कूल के पास 200 वर्ग गज में फैली एक इमारत ढह गई है। बयान में कहा गया, '' शाम 6=58 बजे सूचना मिली। बचाव अभियान जारी है। पुलिस, अग्निशमन, डीडीएमए (दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण) और एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) के कर्मी मौके पर मौजूद हैं। अब तक 12 लोगों को निकाल कर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है।अभी और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा, ''हमारी टीम ने तीन लड़कियों और एक आदमी को बचाया और उन्हें अस्पताल ले गई। उन्होंने बताया कि बचाव कार्य में मदद के लिए नौ दमकल गाड़ियां तैनात की गई हैं।

पीएम मोदी ने एनसीसी की वार्षिक रैली में की शिरकत

कहा- भारत के युवा वैश्विक भलाई के लिए बल हैं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी करियप्पा परेड ग्राउंड में वार्षिक एनसीसी रैली में शामिल हुए, इस दौरान पीएम मोदी ने रैली का निरीक्षण भी किया। इस मौके पर उनके साथ रक्षा मंत्री, रक्षा राज्यमंत्री और सेना प्रमुख भी मौजूद रहे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि- भारत में युवाओं के सामने रही अनेक बाधाओं को हमने पिछसे 10 साल में हटाने का काम किया है। इससे भारत के युवा का सामर्थ्य बढ़ा है, देश का सामर्थ्य बढ़ा है।

एनसीसी कैडेट्स की खास प्रस्तुति

वहीं इस कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने करियप्पा परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में प्रदर्शन भी किया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा- इस अमृतकाल में...हमें अपना एक ही लक्ष्य रखना है-

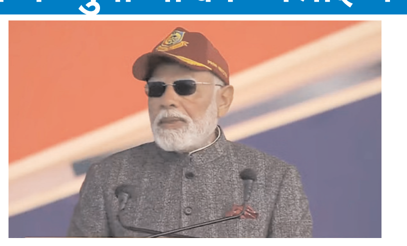

विकसित भारत। हमारे हर निर्णय की कसौटी, हर हर कार्य की कसौटी...विकसित भारत ही होनी चाहिए। इसके लिए हमें अपने पंच प्राणों को हमेशा याद रखना है। पंच प्राण यानि हमें विकसित भारत बनाना है। हमें गुलामी की हर सोच से मुक्ति पानी है। हमें अपनी विरासत पर गर्व करना है। हमें भारत की एकता के लिए काम करना है और हमें अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 75 वर्षों के गणतंत्र में भारत के संविधान ने हर समय देश को लोकतांत्रिक प्रेरणा दी, नागरिक कर्तव्यों का महत्व समझाया। इसी तरह NCC ने भी हर समय भारत के नौजवानों को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा दी और उन्हें अनुशासन का महत्व समझाया...आप 21वीं सदी में भारत के विकास को, दुनिया के विकास को निर्धारित करने वाले हैं। पीएम मोदी ने कहा, आजादी के बाद काफी समय तक लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते थे लेकिन फिर ये पैटर्न टूट गया। इसका देश को बहुत नुकसान उठाना पड़ा। हर चुनाव में वोटिंग लिस्ट अपडेट होती है, बहुत सारे काम होते हैं और इसमें अक्सर हमारे टीचर्स की ड्यूटी लगती है। जिसके कारण पढ़ाई प्रभावित होती हैं। बार बार होने वाले चुनावों की वजह से गवर्नेंस में भी मुश्किलें आती हैं...इसलिए देश में एक बहुत महत्वपूर्ण डिबेट चल रही है और सब लोग इस विषय में अपने अपने विचार रख रहे हैं...।

केंद्र सरकार ने पेंशन योजना में बदलाव किया

अब कर्मचारी को मिलेगा सेवानिवृत्ति पर 50 प्रतिशत वेतन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल 2025 से अपने कर्मचारियों के लिए एक नई एकीकृत पेंशन योजना को लागू करने की घोषणा की है। यह योजना राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत

काम करने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों को एक विकल्प के रूप में मिलेगी, जो सेवानिवृत्ति लाभों की गारंटी सुनिश्चित करेगी। यह योजना कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षा कवच बन सकती है, जिससे उन्हें अपनी सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक राहत मिल सकेगी। एकीकृत पेंशन योजना के तहत, केंद्र सरकार के कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50त्न पेंशन के रूप में मिलेगा, बशर्ते कि वह कर्मचारी कम से कम 25 साल की सेवा पूरी करता हो। इसका मतलब यह है कि जिन कर्मचारियों ने 25 साल या उससे अधिक की सेवा पूरी की है, उन्हें उनके अंतिम वेतन का 50त्न हर महीने पेंशन के रूप में मिलेगा, जो उनकी वित्तीय स्थिति को मजबूत करेगा।

25 साल की सेवा से कम, फिर भी मिलेगा पेंशन

केंद्र सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई कर्मचारी 25 साल से कम, लेकिन 10 साल से अधिक सेवा करता है, तो उसे आनुपातिक आधार पर पेंशन मिलेगी। इसका मतलब है कि कर्मचारियों को उनकी सेवा के हिसाब से पेंशन मिलेगी, जो उन्हें लाभ पहुंचाएगी।

आरक्षण को 50 फीसदी से ज्यादा करेंगे: राहुल

भोपाल। महू में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने कहा था कि अगर हमारी 400 सीटें आएंगी तो हम संविधान बदल देंगे। उनके इस बयान पर हम उनके सामने खड़े हुए। लोकसभा में 400 पार छोड़ो उन्हें सदन में मत्था टेककर घुसना पड़ा। राहुल गांधी ने कहा कि जिस दिन ये संविधान खत्म हो जाएगा, उस दिन देश के गरीबों के लिए कुछ नहीं बचेगा। दलितों-आदिवासियों-पिछड़ों के लिए देश में कुछ नहीं बचेगा। इनका यही लक्ष्य है। उन्होंने आगे कहा कि आंबेडकर जी, महात्मा गांधी जी, भगवान बुद्ध, ज्योतिबा फूले जी और हिन्दुस्तान के जो महापुरूष है, उनकी सोच उनकी आवाज इस संविधान में है। वहीं राहुल गांधी ने कहा कि आरक्षण को 50 फीसदी से ज्यादा किया जाएगा। कांग्रेस की सरकार आने पर लोकसभा और राज्यसभा में बिल पास कराकर 50 फीसदी की रेखा को हटाया जाएगा

संघ प्रमुख मोहन भागवत पर कड़ा प्रहार

राहुल गांधी ने संघ प्रमुख पर हमला बोलते हुए कहा कि कुछ दिन पहले आरएसएस के नेता मोहन भागवत ने कहा कि भारत को 15 अगस्त 1947 को आजादी नहीं मिली, वो झूठी आजादी थी, असली आजादी तो मोदी जी के आने के बाद मिली थी। राहुल गांधी ने कहा कि ये सीधा संविधान पर आक्रमण है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने एक राष्ट्र एक चुनाव की सराहना की

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रस्ताव का समर्थन किया और कहा कि यह कदम शासन में स्थिरता को बढ़ावा दे सकता है। उन्होंने इस योजना को लागू करने के कई फायदे गिनाए, जिनमें नीतिगत पक्षाघात को रोकना, संसाधनों का समुचित उपयोग और वित्तीय बोझ को कम करना शामिल हैं। राष्ट्रपति ने भारतीय संविधान की भूमिका को भी उजागर किया और कहा कि संविधान के 75 वर्षों ने इस युवा गणराज्य की सर्वांगीण प्रगति के मार्ग को प्रशस्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि आज

भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक रुझानों को प्रभावित करती है, और यह परिवर्तन संविधान द्वारा निर्धारित ब्लूप्रिंट के बिना संभव नहीं होता।

भारत की आर्थिक प्रगति

राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि अब भारत अंतराष्ट्रीय मंचों पर नेतृत्व की स्थिति में है। उन्होंने यह भी बताया कि स्वतंत्रता के बाद, जब देश को गरीबी और भूख का सामना करना पड़ा, तब एक चीज़ जिसने भारत को बचाए रखा, वह था खुद पर विश्वास। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि हाल ही में इ्रस्त्रह्र ने एक और महत्वपूर्ण अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग सफलता से पूरा किया।

मध्यप्रदेश में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी, 42 आईएएस के ट्रांसफर

सीएम के सचिव भरत यादव बने एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक

भोपाल । मध्यप्रदेश में एक बार फिर मध्यप्रदेश में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की गई है। सोमवार रात को सामान्य प्रशासन विभाग से जारी आदेश में 42 आईएएस अफसरों के ट्रांसफर कर दिए गए। आदेश में मुख्यमंत्री के दो सचिव को भी इधर से उधर किया गया है। वहीं 12 जिलों के कलेक्टर बदल दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान यात्रा पर जाने से पहले तबादले को हरी झंडी दी है। राज्य प्रशासनिक सेवा के 12 अधिकारियों का भी तबादला किया गया है। मुख्यमंत्री के सचिव भरत यादव को मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम भोपाल का प्रबंध संचालक बनाया गया है। जबकि मुख्यमंत्री के सचिव अविनाश लवानियो को मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी जबलपुर का प्रबंध संचालक बनाया गया है। वहीं खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण कीआयुक्त-सह-संचालक सिबि चक्रवर्ती को मुख्यमंत्री का सचिव बनाया गया है।

ललित कुमार दाहिमा सचिव मध्यप्रदेश शासन जेल विभाग को अब सदस्य राजस्व मण्डल ग्वालियर भेजा गया । अविनाश लवानिया सचिव मुख्यमंत्री तथा प्रबिंध संचालक मध्यप्रदेश सड़क निगम भोपाल को अब प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश पांवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड जबलपुर बनाया गया। प्रीति मैथिल सचिव मध्यप्रदेश शासन उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग तथा संचालक, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रस्करण थी आयुक्त सह संचालक उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण तथा सचिव मध्यप्रदेश शासन उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग (अतिरिक्त प्रभार) दिया गया । वदना वैद्य विकअ सह अपर आयुक्त आदिवासी विकास मध्यप्रदेश भोपाल थे अब उन्हें संचालक आदिम जाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं मध्यप्रदेश रोजगार भोपाल बनाया गया। सतेंद्र सिंह कलेक्टर जिला गुना को प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश स्टेट का ऑपरेटिव डेयरी फेडेशरेशन लिमिटेड भोपाल बनाया गया। मनीष सिंह सचिव मध्यप्रदेश शासन परिवहन विभाग तथा प्रबंधक संचालक मप्र राज्य सड़क परिवहन निगम भोपाल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, इंटर स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी भोपाल थो उनको सचिव मध्यप्रदेश शासन जेल विभाग तथा सचिव मप्र शासन परिवहन विभाग तथा प्रबंधक संचालक, मप्र राज्य सड़क परिवहन निगम भोपाल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी इंटर स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी भोपाल (अतिरिक्त प्रभार) दिया गया। कर्मवीर शर्मा कलेक्टर कलेक्टर जिला खरगौन थे उनको अब आयुक्त सह संचालक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मध्यप्रदेश भोपाल बनाया। भास्कर लक्षकार प्रबंध संचालक राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम भोपाल थे अबउनको विकास सह आयुक्त कोष एवं लेखा मध्यप्रदेश भोपाल बनाया गया। श्रीमती नेहा मारव्या सिंह अपर सचिव मप्र शासन राजस्व विभाग में थे अब उनको कलेक्टर जिला डिण्डोरी बनाया गया। प्रवीण सिंह अढ़ायच कलेक्टर जिला सीहोर को अब संचालक लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मप्र भोपाल बनाया गया। अनुराग वर्मा प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य भण्डार गृह निगम भोपाल को अब अपर सचिव मप्र शासन की कमान सौंपी गई। फटिंग राहुल हरिदास आयुक्त मप्र गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भोपाल को अब अपर सचिव मध्यप्रदेश भोपाल बनाया गया। हर्शिता सिंह संचालक कौशल विकास मप्र तथा आयुक्त तकनीकी शिक्षा मप्र को मुख्य कार्यपालन अधिकारी मप्र राज्य ग्रामीयण आजीविका मिशन भोपाल बनाया गया। अवधेश शर्मा कलेक्टर जिला टीकमगढ़ को अब विकअ सह आयुक्त तकनकी शिक्षा मप्र भोपाल बनाया गया। तरुण भटनागर उप सचिव मध्यप्रदेश शासन पशुपालन एवं डेयरी विभाग को अब अपर आयुक्त (राजस्व) इंदौर संभाग इंदौर बनाया गया।

अरविंद कुमार दुबे कलेक्टर जिला रायसेन को अब अपर सचिव मुख्यमंत्री तथा प्रबंध संचालक मप्र राज्य कृषि उद्योग विकास निगम अतिरिक्त प्रभार। विवेक क्षोत्रिय संयुक्त मुख्स निर्वाचन पदाधिकारी मप्र, भोपाल तथा पादेन अपर सचिव मप्र शासन, विधि एवं विधायी कार्य् विभाग (केवल निर्वाचन संबंधी कार्य के लिए को अब कलेक्टर जिला टीकमगढ़ । सतीश कुमार एस प्रबंध संचालक मप्र स्टेट को ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड भोपाल तथा पदेन्न उप सचिव मप्र शासन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग में थे अब जिला सतना कलेक्टर बनाया गया।

फेंक नोबल ए जो वित्त विभाग में उपसचिव थे उन्हें मप्र खनिज निगम भोपाल का प्रबंध संचालक बनाया गया है, खंडवा जिले के कलेक्टर अनूप कुमार सिंह मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध संचालक बनाये गए हैं। किशोर कुमार कन्याल जो कि श्योपुर के कलेक्टर थे अब गुना के कलेक्टर बने हैं। मप्र राज्य कृषि राज्य विपणन बोर्ड के अपर संचालक अरुण कुमार विश्वकर्मा रायसेन जिले के कलेक्टर बनाये गए हैं।

संपादकीय

बड़ी कामयाबी

मुंबई 26/11 आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा का अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटिशन खारिज होने के बाद उसके प्रत्यर्पण की राह खुल गई है। राणा के प्रत्यर्पण से पाकिस्तानी सुरक्षा प्रतिष्ठान की भूमिका पर रोशनी डालने में मदद मिल सकती है। इस मामले की तह तक पहुंचने के लिए कूटनीतिक सावधानी जरूरी है।

26/11 यानी मुंबई आतंकी हमले के बहुचर्चित आरोपी तहव्वुर राणा का अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में दायर रिव्यू पिटिशन खारिज होने के बाद उसके प्रत्यर्पण की राह खुल गई है। यह भारत की एक अहम कूटनीतिक और कानूनी जीत तो है ही, आतंक के कारोबारियों को न्याय की वेदी पर ला पटकने के वैश्विक अभियान के लिहाज से भी एक बड़ा कदम है।

2008 का मुंबई आतंकी हमला न केवल देशवासियों को स्तब्ध कर देने वाला था बल्कि इसने पूरी दुनिया को सकते में डाल दिया। जिस तरह समुद्री मार्ग से आए लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों ने भारत की वित्तीय राजधानी को बंधक सा बना लिया और यहां तीन दिनों तक आतंक का खेल खेलते रहे, उसे भुलाना मुश्किल है। इस हमले से जुड़े कई आतंकी इस दौरान मारे भी जा चुके हैं, लेकिन भारत की न्याय व्यवस्था का सामना करने की जहां तक बात है तो कसाब के बाद तहव्वुर राणा दूसरा प्रमुख चेहरा होगा।

आतंक के इस खेल में मोहरे बने लोग भले सामने नजर आते हों, उनकी भूमिका नगण्य ही होती है। असल भूमिका इन्हें परदे के पीछे से बढ़ावा देने वाले उन लोगों की होती है जो आम तौर पर परदे के पीछे ही बने रहते हैं। तहव्वुर राणा का यह प्रत्यर्पण इस लिहाज से भी अहम है। वह न केवल मुख्य आरोपी डेविड कोलमैन हेडली का करीबी सहयोगी रहा बल्कि कनाडा जा बसने से पहले पाकिस्तान आर्मी में मेडकल ऑफिसर के तौर पर भी काम करता रहा है। आश्चर्य नहीं कि 26/11 केस में पब्लिक प्रॉसीक्यूटर रहे उज्ज्वल निकम समेत कई लोग मानते हैं कि यह प्रत्यर्पण इस मामले में पाकिस्तानी सुरक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े अफसरों की भूमिका पर भी बेहतर ढंग से रोशनी डाल सकता है।

ऐसे में बहुत महत्वपूर्ण है कि आने वाली चुनौतियों की गंभीरता को समझते हुए एक-एक कदम फूंक-फूंक कर बढ़ाया जाए। राणा की सुरक्षा सुनिश्चित करना और तमाम अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करते हुए आगे बढ़ना जितना जरूरी है, उतना ही महत्वपूर्ण है कूटनीतिक मोर्चे पर सावधानी बनाए रखना। तभी इस मामले की अंतरराष्ट्रीय साजिश से जुड़ी तमाम परतों को खोलना और इसमें शामिल सभी तत्वों को बेनकाब करना संभव हो पाएगा।

काश माल-ए-मुफ्त, दिल-ए-बेरहम से इतर दिल्ली की भी बात होती..!

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल दिल्ली विधानसभा चुनाव, गठन के बाद से ही बेहद अलग, दिलचस्प और इतर राजनीतिक पहचान को लेकर चर्चित रहे हैं। यह सही है कि मौजूदा सरकार के सुप्रीमों केजरीवाल जैसी मुफ्त की रेवड़ियों का वादा सभी पार्टियां और राज्य न केवल करने लगे हैं बल्कि पूरा भी करते हैं। ऐसे में इस बार के चुनाव वाकई दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू जैसे होंगे। इतना है कि इस बार मुकाबला न केवल कांटे का बल्कि त्रिकोणीय सा बनता जा रहा है। लेकिन यह भी सच है कि सरकार किसी की बने लुभावनी योजनाओं का अंबार होगा। इससे दिल्ली की कितनी तकदीर बदलेगी यही देखने लायक होगा। दिल्ली का चुनावी सफर भी दिलचस्प है। 1952 में पहली बार राज्य विधानसभा का गठन हुआ तब 48 सीटें थीं। कांग्रेस ने 36 सीटों पर जबरदस्त जीत दर्ज की। 34 वर्ष के चौधरी ब्रम्ह प्रकाश मुख्यमंत्री बने जो नेहरू जी की पसंद थे। दरअसल कांग्रेस देशबंधु गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही थी लेकिन एक हादसे में उनकी मृत्यु के चलते ब्रम्ह प्रकाश एक्सीडेण्टल मुख्यमंत्री बने। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रेवाड़ी के निवासी ब्रम्ह प्रकाश कभी भी मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहे। बिना तामझाम काम करते और जनसाधारण के बीच रहते। 1955 में कांग्रेस ने गुरमुख निहाल सिंह को मुख्यमंत्री बनाया जो 1956 तक रहे। राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के चलते साल भर बाद दिल्ली विधानसभा भंग हुई। 1966 में इसकी जगह मेट्रोपोलिटन काउंसिल बनी। इसमें 56 निर्वाचित और पांच मनोनीत सदस्यों का प्रावधान था। लेकिन 1991 में 69वें संविधान संशोधन के जरिए दिल्ली विधानसभा की व्यवस्था हुई और 1992 में परिसीमन और 1993 में चुनाव हुए। 1993 में भाजपा बहुमत में आई। मदन लाल खुराना मुख्यमंत्री बने और 1956 के बाद दिल्ली को कोई मुख्यमंत्री मिला। लेकिन 5 साल में 3 मुख्यमंत्री बदले गए। खुराना को घोटाले के आरोपों के चलते कुर्सी छोड़नी पड़ी फिर साहिब सिंह वर्मा आए और महंगाई के मुद्दे पर ऐसे घिरे कि उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा। इनके बाद सुषमा स्वराज को कमान मिली जो महज 52 दिन मुख्यमंत्री रहीं। 1998 के चुनाव में भाजपा ने सुषमा स्वराज को तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को आगे किया। कांग्रेस की जीत हुई और शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं। दिल्ली में फ्लाई ओवरों का जाल, मेट्रो रेल का विस्तार, डीजल की जगह सीएनजी के उपयोग को बढ़ावा और हरियाली पर खास ध्यान सहित दूसरे काम उनकी पहचान बने। 1998 से 2013 तक तीन बार लगातार दिल्ली की सत्ता पर कांग्रेस और शीला दीक्षित काबिज रहीं। इस बीच 2011 में जन लोकपाल विधेयक की मांग पर दिल्ली में अन्ना आंदोलन हुआ। अप्रेल में 5 दिन का आमरण अनशन और दोबारा 16 अगस्त से फिर अनशन बैठते ही देश भर में आन्दोलनों की दस्तक हुई। आखिर संसद में बिल पास हुआ और देखते-देखते अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, आतिशी और कई चेहरे भारतीय राजनीति के नए हीरो बन गए। आम आदमी पार्टी ने 2013 का दिल्ली चुनाव लड़ा और 15 वर्षों से काबिज कांग्रेस सरकार गिरा दी। 70 सीटों में भाजपा ने 32 जीती फिर भी बहुमत से दूर रही। आम आदमी पार्टी 28 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस की 7 सीटों के समर्थन से सरकार बनाने में कामियाब रही और अन्ना आन्दोलन से उपजे केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने। कहते हैं राजनीति शह-मात का खेल है। आप और कांग्रेस की नहीं निभी। आखिर 49 दिन में सरकार गिर गई और राष्ट्रपति शासन लग गया। 2015 में फिर चुनाव हुए। इसमें दिल वालों की दिल्ली ने केजरीवाल पर अपनी उम्मीदों की बख्शीस खूब लुटाई। 70 में से 67 रिकॉर्ड सीटें जीतकर केजरीवाल भारतीय राजनीति के नए सितारे बन गए। भाजपा केवल 3 सीटें तो कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई। केजरीवाल भी अपनी तमाम घोषणाओं पर अमल करते रहे। नतीजन 2020 में एक बार आम फिर आदमी पार्टी ने 62 सीटें तो भाजपा 8 से आगे नहीं बढ़ पाई। कांग्रेस शून्य पर ही रही। लुभावनी योजनाओं का असर दिखा। आप को फिर बहुमत मिला और केजरीवाल मुख्यमंत्री बने। इसके बाद विवादों में घिरे, जेल गए और मुख्यमंत्री पद छोड़ा। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भले हैं लेकिन पार्टी सुप्रीमो केजरीवाल ही हैं। बेहतरीन सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं को मुफ्त बस सुविधा, 200 यूनिट बिजली फ्री, 20 हजार लीटर मुफ्त पानी, बुजुर्गों का मुफ्त तीर्थ दर्शन जैसी अन्य योजनाओं के साथ नई-नई घोषणाएं करते केजरीवाल तो 1998 से 2013 तक के कार्यकाल को दिल्ली का स्वर्णिम काल बता कांग्रेस असली विकास और उपलब्धियां गिनाते नहीं थकती, आगे तमाम मुफ्त योजनाओं से भी परहेज करते नहीं दिखती।

कांग्रेस की विभाजनकारी राहों से जुड़े खतरे

संविधान के खतरे में होने के कांग्रेस के दुष्प्रचार का लाभ भले ही कुछ सीमा तक लोकसभा चुनाव मिला हो, लेकिन हर बार मतदाता ऐसे नारों एवं दुष्प्रचार में गुमराह नहीं होने वाला है। वैसे भी काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। कांग्रेस इस बात को भी तूल दे रही है कि महात्मा गांधी के साथ डॉ. आंबेडकर का अपमान किया जा रहा है। ये ऐसी बातें हैं, जिनका कोई मूल्य-महत्व नहीं। यह सब अंधेरे में तीर चलाने जैसा है। यह असत्य एवं झूठ की राजनीति है। कांग्रेस भले ही सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की बातें कर रही हो, लेकिन सच यह है कि वह सामाजिक विभाजन की खाई को चैड़ा करते हुए देश को जोड़ने नहीं, बल्कि तोड़ने में जुटी हुई है। अब मतदाता समझदार हो चुका है, वह ऐसे झूठे प्रचार में बार-बार नहीं आने वाला है। कांग्रेस सामाजिक न्याय की बात करते हुए भाजपा के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी निशाने पर ले रही है, लेकिन कांग्रेस की इन कुचालों का भाजपा एवं आरएसएस करारा जबाव दे रहे हैं।

ललित गर्ग

कांग्रेस पार्टी की नीति हमेशा से विभाजनकारी रही है। इनका एजेंडा ही रहा है देश में जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के नाम पर बंटवारा करके अराजकता का माहौल बनाना। इसके लिये वह कभी संविधान को खतरे में बताती है तो कभी जातिगत जनगणना की मांग करती है। एक बार फिर डॉ. भीमराव आंबेडकर की जन्मस्थली महू में रैली के दौरान कांग्रेस ने जिस तरह इस पर जोर दिया कि संविधान पर हमला किया जा रहा है और महात्मा गांधी का अपमान किया जा रहा है, उससे उसकी विचारशून्यता एवं राजनीति अपरिपक्वता ही प्रकट नहीं हो रही है,, बल्कि देश को बांटने की मानसिकता भी उजागर हो रही है। यदि कांग्रेस के रणनीतिकार एवं नेता यह समझ रहे हैं कि वे संविधान के संदर्भ में भय का भूत खड़ा करने और भाजपा एवं संघ के नेताओं के बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश करने से देश की जनता को गुमराह करने, बरगलाने में समर्थ हो जाएंगे तो ऐसा अब होने वाला नहीं है। उलटे इस क्रम में कांग्रेस की विश्वसनीयता और अधिक गिर सकती रही है और वह हास्यास्पद स्थिति का शिकार होकर अपनी राजनीतिक जमीन को कमजोर ही कर रही है। ऐसा हरियाणा, महाराष्ट्र के चुनावों में हुआ है और अब दिल्ली के विधानसभा चुनाव भी ऐसे ही होते हुए दिख रहे हैं।

संविधान के खतरे में होने के कांग्रेस के दुष्प्रचार का लाभ भले ही कुछ सीमा तक लोकसभा चुनाव मिला हो, लेकिन हर बार मतदाता ऐसे नारों एवं दुष्प्रचार में गुमराह नहीं होने वाला है। वैसे भी काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। कांग्रेस इस बात को भी तूल दे रही है कि महात्मा गांधी के साथ डॉ. आंबेडकर का अपमान किया जा रहा है। ये ऐसी बातें हैं, जिनका कोई मूल्य-महत्व नहीं। यह सब अंधेरे में तीर चलाने जैसा है। यह असत्य एवं झूठ की राजनीति है। कांग्रेस भले ही सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने की बातें कर रही हो, लेकिन सच यह है कि वह सामाजिक विभाजन की खाई को चैड़ा करते हुए देश को जोड़ने नहीं, बल्कि तोड़ने में जुटी हुई है। अब मतदाता समझदार हो चुका है, वह ऐसे झूठे प्रचार में बार-बार नहीं आने वाला है। कांग्रेस सामाजिक न्याय की बात करते हुए भाजपा के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी निशाने पर ले रही है, लेकिन कांग्रेस की इन कुचालों का भाजपा एवं आरएसएस करारा जबाव दे रहे हैं।

गत दिवस ही संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा- बंधुभाव ही असली धर्म है। यही बात डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान-प्रस्तुति के समय अपने भाषण में भी समझाई है। भागवत ने कहा- समाज आपसी सद्भावना के आधार पर काम करता है। इसलिए मतभेदों का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रकृति भी हमें विविधता देती है। वे विविधता को जीवन का हिस्सा मानते हैं। उन्होंने कहा कि आपकी अपनी विशेषताएं हो सकती हैं, लेकिन आपको एक-दूसरे के प्रति अच्छा व्यवहार करना चाहिए। अगर आप जीना चाहते हैं, तो आपको एक साथ रहना चाहिए। लेकिन कांग्रेस वर्तमान में ही नहीं, बल्कि अतीत में भी विभाजनकारी नीति को बल देते हुए भारतीय इंसानों को बांटती रही है। गांधीजी ने आजादी के बाद ही यह बात समझ ली थी। इसीलिए गांधीजी ने कहा था कि कांग्रेस को खत्म कर देना चाहिए। लेकिन कांग्रेस गांधी के अनुसार तो खत्म नहीं हुई लेकिन देश में विभाजनकारी नीति के कारण जनता द्वारा नकारी जा रही है, खत्म होने के कगार पर पहुंच रही है।कांग्रेस भारत की 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की भावना को दबा रही है, सनातन परंपरा को दबा रही है। अनेक वर्षों तक दिल्ली पर राज करने वाली कांग्रेस सत्ता में वापस आने के लिए इतनी बेचैन है कि वो हर दिन नफरत, द्वेष एवं घृणा की राजनीति कर रही है। कांग्रेस सांप्रदायिकता और जातिवाद के विष को दिल्ली चुनाव में भी उडेल रही है। हिंदू समाज को तोड़ना और उसे अपनी जीत का फॉर्मूला बनाना ही कांग्रेस की राजनीति का आधार है और यही उसको रसातल में ले जा रहा है। कांग्रेस की जातिगत जणगणना की मांग भी उसकी विभाजनकारी नीति को ही दर्शाती है। मोदी सरकार जनगणना कराने की तैयारी कर रही है। सरकार के सामने समस्या केवल यह नहीं है कि जनगणना शीघ्र कराई जाए बल्कि मूल समस्या यह है कि कांग्रेस की जाति आधारित जनगणना की मांग का सामना कैसे किया जाए। विपक्षी दल और विशेष रूप से कांग्रेस जातिगत जनगणना पर जोर दे रही है, जो केवल संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के इरादे से की जा रही है।

ातिगत जनगणना का उद्देश्य समाज को चुनावी लाभ के लिए जातियों में गोलबंद करना और जातिगत आरक्षण को तूल देकर वोटबैंक की राजनीति को धार देना है। इसकी पुष्टि विपक्षी नेताओं और विशेष रूप से राहुल गांधी के ऐसे बयानों से होती है कि अमुक-अमुक जाति के लोगों को दबाया जा रहा है। यह और कुछ नहीं, समाज को जानबूझकर बांटने की घातक चेष्टा है।यह सही है कि भारतीय समाज जातियों में विभाजित रहा है, लेकिन अब जब यह विभाजन लगातार कम होता जा रहा है, तब जाति जनगणना कराकर जाति की राजनीति करने वालों को सामाजिक विभाजन का अवसर नहीं दिया जाना चाहिए। क्योंकि यह जातीय वैमनस्य को ही हवा देगा और इससे विभाजनकारी प्रवृत्तियों के सिर उठाने का ही खतरा है। जातिगत जनगणना बेहद जटिल होने के साथ विभाजनकारी भी है। यही कारण है कि 2011 में मनमोहन सरकार ने जाति जनगणना कराने के बाद भी उसके आंकड़े सार्वजनिक करना सही नहीं समझा था। क्योंकि कई ऐसी जातियां हैं, जिनकी एक राज्य में सामाजिक और आर्थिक हैसियत दूसरे राज्य से बिल्कुल भिन्न है। इतना ही नहीं, कहीं उनकी गिनती अनुसूचित जाति में होती है तो कहीं पिछड़ी जाति में। जाति जनगणना के पीछे यह तर्क दिया जाता है कि पिछड़ेपन का एकमात्र आधार जाति है। एक समय ऐसा था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। आज शहरों में किसी को इससे मतलब नहीं कि कौन किस जाति का है। जाति जनगणना कराने का मतलब होगा देश को फिर से जातीय विभाजन की ओर ले जाना। इससे बचने में ही समझदारी है। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों का मोदी और भाजपा के विरोध के अलावा कोई साझा उद्देश्य नहीं है, उलटे उनमें दलगत हितों और महत्वाकांक्षाओं का तल्ख टकराव है। दो लोकसभा चुनावों में हाशिये पर रहे विपक्षी दल तीसरे चुनाव के लिए एक साथ तो आए, पर मकसद पूरा न होने पर वापस अपनी-अपनी राह चलने को बेताब हैं। लोकसभा चुनाव में भी बंगाल, केरल और पंजाब में मित्र दल आपस में ही जोर आजमाइश कर रहे थे। अब दिल्ली में भी कांग्रेस और आप अलग-अलग ताल ठोंकते दिख रहे हैं।

भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक

भगवान आदिनाथ वर्तमान हुडाअवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर हैं, जिन्होंने मानवता को मोक्ष की ओर पथ प्रशस्त किया। उनका जन्म इक्ष्वाकु वंश के एक महान क्षत्रिय कुल में हुआ, जहाँ वे ऋषभनाथ, ऋषभदेव, वृषभदेव, और पुरुदेव जैसे दिव्य नामों से विख्यात हुए। भगवान आदिनाथ ने संसार के जाल से मुक्ति का मार्ग प्रदर्शित किया, जिससे मानव जीवन को उच्चतम लक्ष्य की प्राप्ति हो सके। जैन धर्म में, तीर्थंकर वे महापुरुष हैं जो संसार के समुद्र से मोक्ष के तीर्थ तक की यात्रा का मार्गदर्शन करते हैं। भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक, या निर्वाण कल्याणक, उनके जीवन का सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण क्षण है, जो उनकी आत्मा के अंतिम मुक्ति और शाश्वत सिद्धि का प्रतीक है। जैन धर्म के अनुसार, प्रत्येक तीर्थंकर के पाँच प्रमुख कल्याणक होते हैं, जिनमें सबसे उच्च और अंतिम है मोक्ष कल्याणक। यही वह दिव्य क्षण है जब आत्मा कर्मों से मुक्त होकर पूर्ण ज्ञान, अपार शांति और अनंत आनंद को प्राप्त करती है। इस अवस्था को ÷सिद्ध पद÷ कहते हैं, जो परमात्मा की सर्वोच्च स्थिति का प्रतीक है। निर्वाणोत्सव, मोक्ष की अमर स्मृति में मनाया जाने वाला पावन पर्व है। भगवान आदिनाथ का जन्म जैन धर्म के आध्यात्मिक प्रकाश का उद्भव था, जिसने सत्य और ज्ञान के नवीन युग का आरंभ किया। उनका अवतरण संसार को नई दिशा देते हुए आत्म-ज्ञान के महत्व को स्थापित करता है। जैन धर्म की मान्यता है कि प्रत्येक तीर्थंकर के जन्म के पूर्व उनकी माता को शुभ स्वप्न दिखाई देते हैं। भगवान आदिनाथ की माता, मरुदेवी, ने उनके आगमन से पूर्व 14 मंगल-स्वप्न देखे थे, जो उनके दिव्य भविष्य की घोषणा करते थे। उनका जन्म अयोध्या में हुआ, जो उस समय ज्ञान और अज्ञान के बीच की सीमा पार करने का केंद्र था। भगवान आदिनाथ का दीक्षा कल्याणक उस दिव्य क्षण से आरंभ होता है जब वे सांसारिक विलासिता का परित्याग कर तपस्या के महान मार्ग पर चल पड़े।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर कांग्रेस चुप क्यों

दरअसल कमजोर होती कांग्रेस में इतने क्षत्रप पनप गए हैं कि पार्टी चाह कर भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। ऐसे में भ्रष्टाचार हो या पार्टी विरोधी गतिविधियां, कांग्रेस खिसकते जनाधार के कारण यह जहर पीने को मजबूर हो गई है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इसका उदाहरण हैं। सरेआम पार्टी के निर्णयों की उपेक्षा करने के बावजूद कांग्रेस गहलोत के खिलाफ कोई कार्ररवाई नहीं कर सकी। इसी तरह सचिन पायलट भी पार्टी खुल कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे, किन्तु कांग्रेस उनकी तरफ से भी आंखे फेरे रही है। गहलोत और पायलट के अंदरूनी सता संघर्ष का ही नतीजा रहा कि कमजोर कांग्रेस राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकी और करारी शिकस्त खाने को मजबूर हुई। कांग्रेस में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने वाले सिद्धारमैया अकेले नेता नहीं हैं। पार्टी में नीचे से लेकर शीर्ष तक नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वालीं कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी कई भाषणों में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के जमानत पर बाहर होने पर चुटकी भी लेते रहे हैं।

योगेंद्र योगी

दरअसल कमजोर होती कांग्रेस में इतने क्षत्रप पनप गए हैं कि पार्टी चाह कर भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। ऐसे में भ्रष्टाचार हो या पार्टी विरोधी गतिविधियां, कांग्रेस खिसकते जनाधार के कारण यह जहर पीने को मजबूर हो गई है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल पीएम मोदी की तरह झूठे वादे करते हैं। केजरीवाल ने कहा था कि भ्रष्टाचार मिटाएंगे लेकिन क्या दिल्ली में भ्रष्टाचार हटा क्या? अडानी पर भी केजरीवाल कुछ भी नहीं बोलते हैं। राहुल गांधी ने जब केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए उसी समय कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने (ईडी) ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले के संबंध में 300 करोड़ रुपये के बाजार मूल्य वाली 142 अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया। ईडी के बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत इन संपत्तियों को जब्त किया। ईडी के अनुसार, ये संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर पंजीकृत हैं जो रियल एस्टेट व्यवसायी और एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। ईडी ने लोकायुक्त पुलिस मैसूर द्वारा भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत सिद्धारमैया और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की थी। आतंरिक तौर पर देखें तो राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे में इतना साहस भी नहीं हो सका कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद से हटाना तो दूर बल्कि कारण बताओ नोटिस तक जारी कर सकें। दरअसल कांग्रेस को अंदाजा है कि यदि सिद्धारमैया से कुछ भी पूछा गया तो विद्रोह की नौबत आ जाएगी। ऐसे में कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखना ही सही समझा। कांग्रेस को शायद यह बात समझ में नहीं आई कि उसकी चुप्पी ही उसे अपराधी बना रही है। यही वजह है कि

भाजपा ने विगत चुनावों में भ्रष्टाचार के मुद्दों पर कांग्रेस की बखिया उधडने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। दरअसल कमजोर होती कांग्रेस में इतने क्षत्रप पनप गए हैं कि पार्टी चाह कर भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। ऐसे में भ्रष्टाचार हो या पार्टी विरोधी गतिविधियां, कांग्रेस खिसकते जनाधार के कारण यह जहर पीने को मजबूर हो गई है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इसका उदाहरण हैं। सरेआम पार्टी के निर्णयों की उपेक्षा करने के बावजूद कांग्रेस गहलोत के खिलाफ कोई कार्ररवाई नहीं कर सकी। इसी तरह सचिन पायलट भी पार्टी खुल कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे, किन्तु कांग्रेस उनकी तरफ से भी आंखे फेरे रही है। गहलोत और पायलट के अंदरूनी सता संघर्ष का ही नतीजा रहा कि कमजोर कांग्रेस राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकी और करारी शिकस्त खाने को मजबूर हुई। कांग्रेस में भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने वाले सिद्धारमैया अकेले नेता नहीं हैं। पार्टी में नीचे से लेकर शीर्ष तक नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वालीं कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी कई भाषणों में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के जमानत पर बाहर होने पर चुटकी भी लेते रहे हैं। संसद के सत्र के दौरान जब कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने कहा था कि भ्रष्टाचार के मामले हैं तो गिरफ्तार क्यों नहीं करते, तब पीएम मोदी ने हंसते हुए कहा था- जमानत पर हैं तो एन्जॉय करिए। इसी तरह कांग्रेस मौके-बेमौके ऐसे मुद्दें पर उपहास का पात्र बनती रही है। भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर रहे हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती है। नेशनल हेराल्ड केस-2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी का आरोप है कि यह सब कुछ दिल्ली में बहादुर शाह जफर मार्ग पर स्थित हेराल्ड हाउस की 16 सौ करोड़ रुपये की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया। वर्ष 2013 में अगस्ता वेस्टलैंड वीआइपी हेलीकॉप्टर खरीद घोटाला में सीबीआई और दूसरी केंद्रीय एजेंसियां अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। राजस्थान में एंबुलेस घोटाला में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी आरोपी हैं। ये मामला 2010 से लेकर 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का है। ईडी अब तक 12 करोड़ की संपत्तियां आरोपियों से जब्त कर चुकी है। कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबर्दस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने छापेमारी की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी। आश्चर्य यह नहीं है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं, बल्कि लगाने वाले ने अपनी पार्टी की गिरेबां में झांक कर नहीं देखा। आकंठ तक भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी कांग्रेस के मुंह से भ्रष्टाचार शब्द भी अब बेजान हो गया है। कांग्रेस का इतिहास और वर्तमान भ्रष्टाचार के काले कारनामों से रंगा हुआ है। कांग्रेस यदि आज देश में लगातार सिमटती जा रही है तो उसका प्रमुख कारण भ्रष्टाचार में लिप्त होना है। भाजपा के बाद देश की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस अपने दामन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर दोमुंही बातें करती रही है। यह निश्चित है कि जब तक कांग्रेस भ्रष्टाचार को लेकर कथनी और करनी के फर्क को नहीं मिटाती तब तक देश के मतदाताओं का पूरा भरोसा नहीं जीत सकती।

जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ ने जैन तीर्थों को जोड़ने व मांसाहार मुक्त करने की मांग रखी

महेश जैन मोहन

बड़ोदिया/ शाजापुर/इन्दौर । प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव ने प्रदेश के 17 शहरों में शराबबंदी की जो घोषणा की है उसका देशभर के संपूर्ण जैन समाज के साथ-साथ श्री जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ ने हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए शराबबंदी के इस कदम को सामाजिक जागरूकता की दिशा में मील का पत्थर बताया, साथ ही मांग की है कि इन 17 शहरों को शराब बंदी के साथ जैन तीर्थों को जोड़ने एवं मांसाहार से भी मुक्त करके पवित्र शहर बनाये जाने की मांग की है, जिससे धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया जा सके ।

आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में श्री जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ की ओर से बताया किया दिनांक 24 जनवरी को संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों की डिजिटल बैठक में उक्त मांग अखिल भारतीय स्तर पर जैन समाज की ओर से किये जाने का निर्णय लिया है ।

इस संदर्भ में श्री जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ का प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव को मांग पत्र प्रस्तुत करेगा । श्री जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि बैठक परम पूज्य युवाचार्य श्री विश्वरत्न सागर सूरिश्वरजी म.सा. के जन्मोत्सव के अवसर पर दि. 16 मार्च 2025 को मंदसौर में होगी।

उक्त संदर्भ में श्री जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ की ओर से सर्वश्री राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलसुखराज कटारिया, राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष संतोष मेहता, राष्ट्रीय संगठन प्रमुख राजेश मानव एवं अभय चोपडा, राष्ट्रीय महासचिव राजेन्द्र करणपुरिया एवं वीरेन्द्र जैन, राष्ट्रीय प्रबंधक प्रसन्न लोढ़ा, गौतम जैन, अभय वागरेचा, राजस्थान प्रदेश संयोजक अशोक लोढा, राजस्था प्रदेश सहसंयोजक चन्द्रसिंहजी, म.प्र. संयोजक यशवन्त भण्डारी, म.प्र. सहसंयोजक श्रीपाल जैन एवं सुनील जैन बालावत, उपाध्यक्ष गुणवंतलाल बण्डी, महेन्द्र सुन्देचा, शेखर गेलड़ा, अनिल देसरला, अशोक लाला, अनिल नागोरी, अभय लुणिया, दिलीप डांगी, हंसराज जैन, कमल कोठारी, सतीष मारू, कोषाध्यक्ष गौतम जैन, पारस छाजेड़, सुशील जैन, प्रवक्ता हेमंत डोसी, संतोष जैन, मनीष जैन, सलाहकार मंडल प्रवीण गुरूजी, कांतिलाल बम, शांतिलाल मारू, डॉ. सुभाष जैन, धनपाल हड़पावत, मंगेश भाचावत, जयन्तीलाल जैन, विजयप्रकाश धींग, प्रेमप्रकाश जैन, सुबोध सरैया, संगठनमंत्री आर. सी. जैन, गौतम जैन, प्रमोद जैन, हेमंत आंचलिया, सुनील जैन बालावत, विजय बम्बोरिया, मनीष कोठारी, संजय वोरा, राकेश नाहटा, शांतिलाल जैन, प्रमोद नागोरी, डॉ अरविंद ओसवाल, प्रकाश जैन, प्रकाश धारीवाल, विरेन्द्र लोढ़ा, दीपक जैन, मोहन जैन प्रचारमंत्री प्रसन्न जैन, शैलेष कोचर, चन्द्रशेखर सोनी, सुशील मोदी, महावीर नवलखा, दीपक जैन, मांगीलाल संचेती, ललित राजावत ने अपने-अपने शहरों में मालवा महासंघ की इकाइयों को शासन को ज्ञापन देने का अनुरोध किया है ।

जल जीवन लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग के एसडीओ को उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मानित

नरसिंहगढ़। भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान- लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग के एसडीओ देवेंद्र सिंह गौड़ को क्षेत्रीय सांसद रोडमल नागर एवं जिला कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा ने गणतंत्र दिवस समारोह में निमंत्रित कर नलजल योजना के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले एसडीओ देवेंद्र सिंह गौड़ को सम्मानित कर प्रशंसा पत्र दिया।

इस योजना के तहत ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्र में कई घरों में शुद्ध पेयजल कनेक्शन प्रदान किए गए। उसको क्षेत्रीय सांसद एवं जिला कलेक्टर द्वारा समय-समय पर समीक्षा कर सरायनीय बताया गया है।।यह सम्मान, ग्रामीण भारत में जल संरक्षण और स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे कामों की सरकारी मान्यता का प्रतीक है. गणतंत्र दिवस पर जल जीवन मिशन में उत्कृष्ट काम करने वाले एसडीओ एवं कर्मचारियों को सम्मानित करने जिला कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा ने लोक लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग के एसडीओ देवेंद्र सिंह गॉड को आमंत्रित कर ज़िले के विकासखंड उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस समारोह में विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था. जल जीवन मिशन, केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हर घर जल का हिस्सा है. इसका मकसद देश के हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है।

छात्रावास के उत्कृष्ट संचालन पर अधीक्षिका को जिलास्तर पर मिला सम्मान

लोकहित की पुकार, सारंगपुर। स्थानीय बालिका छात्रवास का सर्व शिक्षा अभियान के तहत उत्कृष्ट संचालन पर अधीक्षिका रजनी व्यास को जिला स्तर पर सम्मान मिला है। श्रीमती व्यास ने छात्रावास में बेहतर व्यवस्थाए की ताकि छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करने में आसानी होगी।

इसलिए उन्हें गणतंत्र दिवस के जिलास्तरीय समारोह में सांसद रोडमल नागर, जिला कलेक्टर डा. गिरीश कुमार मिश्रा, एसपी आदित्य मिश्रा, जिपं सीईओ महिप तपस्वी विधायक अमर सिंह यादव ने सर्वश्रेष्ठ अध्यापक का पुरस्कार दिया गया है। इसके लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र भी भेंट किया गया है।

जिला स्तरीय 15 सूत्रीय समिति में दिनेश सांकला सदस्य नामांकित

मोहन बड़ोदिया/ शाजापुर /कालापीपल । पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, मंत्रालय भोपाल एवं आयुक्त पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार अल्पसंख्यक वर्ग के कल्याणार्थ भारत सरकार अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निर्देश के संदर्भ में जिला स्तरीय 15 सूत्रीय समिति का गठन किया गया है।जिसमें कालापीपल विधानसभा के युवा लाड़ले विधायक घनश्याम चन्द्रवंशी की अनुशंसा से प्रतिनिधी सदस्य के रूप में कालापीपल के वरिष्ठ भाजपा नेता ओर वर्षो से पार्टी में कार्य करने वाले दिनेश सांकला को नामाकिंत किया गया है,

इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश महामंत्री ओर देवास सांसद महेन्द्र सोलंकी, ओर भाजपा प्रदेश नेतृत्व व शाजापुर जिला प्रभारी मंत्री नारायणसिंह कुशवाह, केबीनेट मंत्री इन्दरसिंह परमार, शाजापुर विधायक अरूण भीमावद,शाजापुर भाजपा जिला अध्यक्ष रवि पांडे, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक नायक के प्रति पार्टी पदाधिकारियों ओर कार्यकर्ताओं ने आभार व्यक्त करते हुए दिनेश सांकला के सदस्य के रूप में नामाकिंत होने पर बधाईयां प्राप्त हो रही है ।

सड़क किनारे लगे डिवाइडर से टकराई कार एक युवक की मौत

शहडोल। प्रयागराज कुंभ स्नान में जा रहे एक परिवार की कार जयसिंहनगर में दुर्घटना का शिकार हो गई। उसमें सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, तो कार में सवार सात लोग घायल हुए हैं। घटना सुबह तकरीबन 7:00 बजे घटी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कार रीवा की ओर जा रही थी। तभी जयसिंह नगर तहसील तिराहे के पास सड़क किनारे लगे डिवाइडर से तेज रफ्तार कार टकरा गई, जिसमें ड्राइवर सीट के बगल में बैठे युवक किशन तिवारी की मौके पर ही मौत हो गई है। कार सवार छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के रहने वाले हैं और वह कुंभ स्नान में शामिल होने जा रहे थे। तभी यह हादसा रास्ते में हुआ है।

बताया गया कि इनोवा कार क्रमांक सीजी 10 यू 6999 में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर का परिवार सवार था। वह

प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेला में स्नान करने के लिए जा रहा था। तभी जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के तहसील तिराहे के पास सुबह 7:00 बजे तेज रफ्तार कार के चालक ने वाहन से अपना नियंत्रण खोदिया और सड़क किनारे लगे डिवाइडर से वाहन टकरा गया। ड्राइवर के बाजू में बैठे युवक किशन तिवारी (38) इस घटना में मौके पर ही मौत हो गई। युवक के सास ससुर एवं परिवार के अन्य लोग घटना में गंभीर घायल हुए। घटना के समय लोग सड़कों पर थे और घटना देख स्थानीय लोग मौके पर दौड़ पड़े और घायलों को वाहन से बाहर निकला गया। जिसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि कार में कुल आठ लोग सवार थे, जिसमें एक युवक की मौके पर मौत हो गई। वहीं चालक सहित सात लोग घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार हेतु स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां से अलग-अलग स्थानो में उन्हें रेफर किया गया है।जयसिंहनगर थाना प्रभारी एसपी चतुर्वेदी ने बताया कि छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से कार में सवार परिवार प्रयागराज कुंभ मेला में स्नान करने जा रहा था. तभी डिवाइडर से टकराने की वजह से यह घटना घटी है। कार सवार एक युवक की मौत हो गई, वहीं घायलों को उपचार हेतु स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

सड़क हादसे रोकने सिनेमेटोग्राफर हरीश पटेल की मुहिम अंधेरे में न दिखने वाले ब्रेकर पर कर रहे सफेद रंग

दमोह। दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर स्टेडियम के के सामने स्पीड ब्रेकर होने के बाद भी लगातार सड़क हादस हो रहे हैं। जिन्हें रोकने के लिए बालीवुड सिनेमेटोग्राफर हरीश पटेल ने अपने साथियों के साथ मिलकर सराहनीय पहल शुरू की है। रविवार की रात इन लोगों ने स्पीड ब्रेकर्स पर सफेद रंग का पेंट कर वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित की। दूर से ही ब्रेकर दिखने के कारण वाहन चालक अपने आप वाहन धीमा करते दिखाई दिए।

बता दें स्टेडियम वाले इस मार्ग पर काफी सड़क हादसे होते थे। जिसे देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सड़क के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर्स बनाए गए थे, जिनकी ऊंचाई काफी अधिक थी।इन ब्रेकर पर कोई पट्टी या संकेतक नहीं होने के कारण वाहन चालकों को इनकी जानकारी नहीं हो

पाती थी, जिससे सड़क हादसे हो रहे थे। लोग लगातार प्रशासन से इन ब्रेकर पर कोई संकेतक लगाने की मांग कर रहे थे, लेकिन सुधार नहीं हुआ। इस समस्या को देखते हुए अधिवक्ता श्याम विश्वकर्मा, बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के सिनेमैटोग्राफर हरीश पटेल जो इस समय दमोह में ही हैं। पेंटर संजू रजक और उनके कुछ साथियों ने यह सामाजिक पहल की।

दुकानदार बोले हमारे सामने होते हैं हादसे

स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, स्पीड ब्रेकर्स पर रंग किए जाने के बाद वाहन चालक अपनी गाड़ियां धीमी कर लेते हैं। पहले, तेज गति से गुजरने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर हादसों का कारण बनते थे, क्योंकि स्पीड ब्रेकर स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देते थे।

सफेद पेंट देख वाहन चालक सतर्क

सिनेमाटोग्राफर हरीश पटेल ने कहा कि प्रशासन हर जगह सभी कार्य पूरे नहीं कर सकता। इसलिए नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। इस मार्ग के अलावा जहां भी ऐसे स्पीड ब्रेकर होंगे वहां सफेद रंग किया जाएगा। अधिवक्ता श्याम विश्वकर्मा ने कहा कि सड़क हादसों में होने वाली जनहानि को रोकने के लिए सभी को सतर्क रहना और सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। रात में यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों ने इस कार्य की सराहना की।

गुना में बकरी का शिकार करने आया तेंदुआ पिंजरे में हुआ कैद

गुना। देश के सबसे बड़े यूरिया संयंत्र नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड इलाके में एक महीने से दहशत का पर्याय बने एक तेंदुआ को वन विभाग और माधव नेशनल पार्क की टीम ने सफलता पूर्वक रेस्क्यू कर लिया है। बताया जा रहा है कि प्लांट के नजदीक एक पिंजरा लगाया गया था जिसमें तेंदुआ फंस गया है।

खबर के बाद प्लांट में काम करने वाले कर्मचारियों और सीआईएसएफ की टीम ने राहत की सांस ली है। तेंदुआ की पहली आमद 6 जनवरी को दर्ज की गई थी। इसके बाद 4 से 5 बार तेंदुआ एनएफएल प्लांट के नजदीक और आसपास के क्षेत्र में नजर आया था। रेस्क्यू पूरा होने के बाद

एनएफएल के कर्मचारी खुश नजर आ रहे हैं।

हालांकि इसी प्लांट के नजदीक एक और नवरत्न कम्पनी गेल क्षेत्र में भी तेंदुआ की मूवमेंट देखी गई थी। वन विभाग इस बात की पूरी तसल्ली कर रहा है कि गेल के पास देखा गया तेंदुआ एक ही या फिर दो तेंदुएं क्षेत्र में घूम रहे थे।

चारों तरफ था पुलिस का पहरा, बेखौफ चोरों ने दो मोटरसाइकिल कर ली चोरी

शहडोल। कोतवाली थाना प्रभारी रावेंद्र तिवारी ने बताया कि गांधी स्टेडियम के बाहर से दो मोटरसाइकिल चोरी के मामले दर्ज हुए हैं। अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश की जा रही है। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम को देखने के लिए पहुंचे दो लोगों की बाइक चोरी हुई है।

कोतवाली थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले इतने बुलंद है कि पुलिस के सामने से दो मोटरसाइकिल चोरों ने चोरी कर ली है। घटना उस वक्त घटी जब गणतंत्र दिवस का जश्न गांधी स्टेडियम में मनाया जा रहा था। जश्न में शामिल होने लोग अपनी बाइक खड़ी कर गांधी स्टेडियम में गणतंत्र दिवस के जश्न में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। बाइक मालिकों का मानना था कि इतनी भारी भरकम सुरक्षा व्यवस्था के बीच उनकी मोटरसाइकिल यहां

सुरक्षित रहेगी, क्योंकि हर जगह पुलिस बल की तैनाती थी। इधर चोरों ने तो पुलिस के सामने से दो मोटरसाइकिल चोरी कर ली है। हालांकि पुलिस ने इस मामले पर चोरी का मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अमृतलाल साहू जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं और वह गांधी स्टेडियम में गणतंत्र दिवस के जश्न को देखने स्टेडियम पहुंचे थे। अमृतलाल साहू ने बताया कि मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 18 एम एम 6632 को उन्होंने गांधी स्टेडियम के बाहर खड़ी कर दी थी। श्री साहू के अनुसार जहां पर उन्होंने मोटरसाइकिल खड़ी की थी, वहां आसपास चारों तरफ पुलिस का पहरा लगा हुआ था। उन्हें ऐसा लगा कि उनकी मोटरसाइकिल यहां सुरक्षित रहेगी, लेकिन जब कार्यक्रम समाप्त हो गया और साहू अपने घर जाने के लिए अपनी बाइक के पास पहुंचे तो उनकी बाइक वहां से गायब थी। इसी तरह मुन्नालाल बैगा की मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 18 एम एन 2384 स्टेडियम के बाहर से चोरी हो गई है। मुन्नालाल सोहागपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं और वह गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए स्टेडियम पहुंचे थे। मोटरसाइकिल को खड़ाकर कार्यक्रम देखने लगे और वापस जब घर जाने को लौटे तो उनकी मोटरसाइकिल गांधी स्टेडियम के बाहर से गायब थी। मामले को लेकर कोतवाली थाना प्रभारी रावेंद्र तिवारी ने बताया कि गांधी स्टेडियम के बाहर से दो मोटरसाइकिल चोरी के मामले दर्ज हुए हैं। अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश की जा रही है।

शासकीय शिक्षक की पत्नी का कत्ल, पति निकला हत्यारा

शहडोल। कोतवाली थाना क्षेत्र के सिंहपुर रोड स्थित सौखी मोहल्ला में रहने वाले एक शासकीय शिक्षक ने अपनी पत्नी का गला घोंट कर उसे मौत के घाट सुला दिया। घटना दो दिनों पहले घटी थी। इस मामले पर पुलिस ने खुलासा कर आरोपी पति शासकीय शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि उसकी पत्नी उसपर दूसरी महिला से संबंध होने की बात को लेकर आए दिन विवाद करती थी, जिससे वह नाराज होकर पत्नी का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। कुछ घंटे में ही पुलिस ने इस कत्ल का खुलासा कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र के सौखी मोहल्ला की रहने वाली प्रियंका चौरसिया (36) की लाश उसके घर में संदिग्ध अवस्था में दो दिन पहले मिली थी। आरोपी पति ने महिला की मौत की जानकारी पुलिस को दी थी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पति ने पुलिस को गुमराह करने के लिए एक झूठी कहानी बताई, जिसमें आरोपी पति विपिन चौरसिया ने पुलिस को बताया कि वह सुबह मॉर्निंग वॉक करने के लिए घर से निकला था और उसकी पुत्रि जो 6 वर्ष की है। वह घर में सो रही थी, पत्नी अपना कार्य कर रही थी। जब आरोपी विपिन घर वापस लौटा तो महिला का शव घर के कमरे में संदिग्ध हालत में मिला था। पुलिस को पति के द्वारा बताई गई कहानी में कुछ संदेह हुआ, जिसको लेकर पुलिस ने महिला के पति विपिन चौरसिया को हिरासत में लिया और कड़ी पूछताछ की गई, जिसमें आरोपी ने अपने जुर्म को कबूल लिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि प्रियंका चौरसिया का माइका दमोह जिले में था। महिला की मौत के बाद पुलिस ने मायके पक्ष के लोगों से फोन पर चर्चा की, जिसमें यह बात भी आई थी कि प्रियंका का पति विपिन किसी अन्य महिला से बात करता है। इसी बात को लेकर दोनों पति पत्नी में आए दिन विवाद होता था। फिर क्या था, पुलिस ने आरोपी विपिन चौरसिया से शक्ति से पूछताछ की और आरोपी ने अपने जुर्म को कबूला है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि पत्नी प्रियंका आए दिन मुझसे विवाद करती थी और कहा करती थी कि तुम किसी दूसरी महिला से बात करते हो, और उससे तुम्हारा संबंध भी है। इसी बात से गुस्सा होकर आरोपी पति विपिन चौरसिया ने अपनी पत्नी प्रियंका का गला घोंटकर उसे मौत के घाट सुला दिया।

सारंगपुर में वैष्णव बैरागी समाज में मनाया रामानंदाचार्य जयंती महोत्सव

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

वैष्णव बैरागी समाज ने सोमवार को राजगढ़ जिले के सारंगपुर के राठी परिसर में वैष्णव बैरागी समाज के द्वारा समाज के आराध्य देव भगवान रामानंदाचार्य जन्मोत्सव मनाया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम मंच पर उपस्थित महंत नरसिंह दास उज्जैन,वैष्णव सरकार भोपाल, कथावाचक सुश्री आरती वैष्णव, हरिओम जी महाराज सारंगपुर,महंत तरुण दास एवं

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम टेटवाल , सारंगपुर नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल ने भगवान रामानंदाचार्य जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन अर्चन एवं दीप प्रज्वलित किया । इसके पश्चात मंत्री श्री टेटवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वैष्णव बैरागी समाज ने समय-समय पर हिंदू समाज की रक्षा के लिए शस्त्र भी उठाए हैं वैष्णव बैरागी समाज जहां मंदिरों में भगवान की सेवा पूजन करते हैं वही समाज की रक्षा के लिए शस्त्र और शास्त्र दोनो को चलाना भी जानते हैं। समाज की मांग पर मंत्री श्री टेटवाल ने सारंगपुर में भगवान रामानंदाचार्य जी चौराहा की घोषणा करते हुए उनकी प्राण प्रतिष्ठा करने की भी घोषणा की।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित नगर पालिका सारंगपुर के अध्यक्ष पंकज पालीवाल ने आश्वासन देते हुए कहा कि नगर पालिका आपकी है वैष्णव बैरागी समाज के लिए नगर पालिका जो जो भी कर सकती है वह सब पूरा करने के लिए में तैयार हूं मैं आपके द्वारा बताए गए सभी कार्यों को पूरा करने का प्रयास करूंगा। मंच पर अतिथियों के रूप में उपस्थित महंत नरसिंह दास जी, हरिओम जी महाराज, सुश्री आरती वैष्णो ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए भगवान रामानंदाचार्य जी के जीवन पर प्रकाश डाला। सभी अतिथियों का स्वागत रामानंदाचार्य जन्मोत्सव समिति के सदस्यों के द्वारा साफा बांधकर फूलमालाओं एवं अंग वस्त्र भेंटकर किया गया

इसके पूर्व नगर में वैष्णव बैरागी समाज का विशाल चल समारोह निकल गया जो राठी परिषर से प्रारंभ होकर परशुराम चौराहा अस्पताल रोड, बदलीपुरा, दीनदयाल चौराहा पालीवाल कंपलेक्स होता हुआ पुन: राठी परिसर में पहुंचा चल समारोह का विभिन्न संगठन एवं परिवारों के द्वारा जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम स्थल राठी परिसर में रामानंदाचार्य महाराज की सामूहिक रूप से आरती की गई समारोह में बड़ी संख्या में महिला पुरुषों ने भाग लिया। अतिथियों का स्वागत दीपू दास बैरागी सांवरिया वैष्णव राम गोपाल दास बैरागी बालकृष्ण वैष्णव घनश्याम बैरागी मनीष वैष्णव मधुबाला वैष्णव दुर्गेश वैष्णव बबलू वैष्णव राजेंद्र वैष्णव सुनील वैष्णव, ईश्वर वैष्णव, राजेंद्र वैष्णव सहित समिति के सदस्यों द्वारा किया गया अतिथियों के रूप में कार्यक्रम मैं अतिथियों के रूप में महंत तरुण दास नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश वर्मा मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद,विनोद पाटीदार उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सत्यनारायण वैष्णव ने किया एवं आभार घनश्याम बैरागी ने माना।

मोदी सरकार ने गरीब और मेहनतकश वर्ग से अपना मुंह मोड़ लिया है : जयवर्धनसिंह

सारंगपुर बायपास पर पूर्व मंत्री का कांग्रेसजन कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

आज मोदी सरकार ने गरीब और मेहनतकश वर्ग से अपना मुंह मोड़ लिया है और उन्हें पूरी तरह से उनके हाल पर छोड़ दिया है। सरकार का पूरा ध्यान सिर्फ गिने चुने पूंजीपतियों को ही और समृद्ध करने पर है। इस वजह से असमानता लगातार बढ़ती जा रही है और खून-पसीने से देश को सींचने वाले श्रमिकों की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। वे तरह-तरह के अन्याय और अत्याचार झेलने को मजबूर हैं। जनता के पास पहुंचकर हमे प्रदेश और केंद्र में बैठी भाजपा सरकार की असफल नीतियों को बताना है। ऐसे में हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि हम मिलकर उन्हें न्याय और हक दिलाने के लिए मजबूती से आवाज उठाएं। यह बात रविवार रात्रि राघौगढ़ से इंदौर जाते समय सारंगपुर बायपास पर कांग्रेसियों द्वारा जिला उपाध्यक्ष नंदलाल नागर के नेतृत्व में आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व केबिनेट एवं जिला प्रभारी मंत्री जयवर्धनसिंह ने कार्यकर्ताओं के बीच कही।

मोदीजी के विकसित भारत की सच्चाई, मेहनत आपकी, मुनाफा किसका?

इस मौके पर पूर्व मंत्री श्रीसिंह ने कहा कि आप सभी के खून पसीने से देश की अर्थव्यवस्था का पहिया घूम रहा है, लेकिन क्या आपको इसमें उचित हिस्सा मिल रहा है? मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 60 साल के सबसे निचले स्तर तक चली गई। इस वजह से लोगों को रोजगार के लिए संघर्ष करना पड रहा है। कृषि क्षेत्र में गलत नीतियों ने किसान और खेत मजदूर की स्थिति बदहाल की है। वे मुश्किल से अपना गुजारा कर पा रहे हैं। पिछले पांच वर्षों में श्रमिकों की वास्तविक आमदनी या तो स्थिर है या कम हुई है। हानिकारक जीएसटी और इनकम टैक्स की मार ने गरीब और मिडिल क्लास का जीना हराम कर रखा है, जबकि कॉर्पोरेट का कर्जा माफ किया जा रहा है।

आसमान छूती महंगाई के कारण अब न सिर्फ गरीब बल्कि सैलरीड क्लास भी अपनी जरूरतों के लिए लोन लेने को मजबूर है। वास्तविक विकास वो है जहां सबकी उन्नाति हो - बिजनेस के लिए निष्पक्ष माहौल मिले, उचित टैक्स सिस्टम हो और श्रमिकों की आमदनी बढे। इससे ही देश समृद्ध और मजबूत बनेगा। श्रीसिंह ने कहा कि हमारा हिंदुस्तान, हमारा भारत, लोकतंत्र और संविधान की नींव महात्मा गांधी, नेहरू जी और बाबा साहब अंबेडकर जी ने रखी।

संविधान ने हर वर्ग और व्यक्ति को समान अधिकार दिया, जिसकी रक्षा हमें करनी है। इस मौके पर पूर्व विधायक डग्गी राजा, जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रदीप जैन, पूर्व मंडलअध्यक्ष महेश खाती, दिनेश पुरी, प्रवक्ता रामबाबू सेन, ब्लाक अध्यक्ष हेमेंद्र सोलंकी एवं रामचंद्र नागर, पूर्व अध्यक्ष शफीक अंसारी, जसंवत सिंह धामंदा, लोकेश पुष्पद, पवन राज, कमल नागर सहित अन्य उपस्थित थे।

परमात्म श्रीमत के आधार पर हों हमारे कर्म,तो जीवन सुखदायी बनेगा : ब्रह्माकुमारी भाग्यलक्ष्मी दीदी

गीता ज्ञान यज्ञ के समापन दिवस पर बुराईयों को स्वाहा कर श्रेष्ठ कर्म करने का दिया सन्देश

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

सारंगपुर के ग्राम लीमाचोहान में चल रहे सात दिवसीय गीता प्रवचन के समापन दिवस पर ग्रामवासियों ने सम्मलित होकर व्यसन-बुराईयों को त्यागने का संकल्प किया ।सम्मानीय अतिथि जन और गणमान्यों ने दीप प्रज्वलन कर कथा में उपास्थिति दी ,और व्यासपीठ का सम्मान किया ।कथा प्रवक्ता ब्रह्माकुमारी भाग्यलक्ष्मी दीदी ने कहा कि हमारे ऊंचे और श्रेष्ठ कर्म ही हमारे जीवन को सुखदायी और यशस्वी बनाते हैं, हमे महज ज्ञान को सुनना नही बल्कि जीवन मे उतारकर ईश्वरीय आदेशों के अनुसार जीवन बनाना है।

।दीदी ने ज्ञान और विज्ञान को सहज रीति समझाते हुए गीता के व्याख्यान के माध्यम से समझाया कि अर्जुन जब अधीर हो गए और उन्होने अपना मनोबल खो दिया तब भगवान ने उन्हें उनके निज स्वरूप की पहचान देकर कर्म का सुंदर ज्ञान दिया ।ज्ञान ही वो अस्त्र है जिससे हम विषम परिस्थिति में अपने आपको स्थिर बनाए रख सकते हैं ।सदैव याद रहे ईश्वरीय ऊर्जा हमारे साथ है,हमारे साथ सदैव अच्छे से अच्छा होगा ,ऐसे सकारात्मक विचार हमें निरंतर सही दिशा में आगे लेकर जाएंगे और हम अन्य की प्रेरणा के भी पात्र बनेंगे ।दीदी ने सहज व सरल मेडिटेशन के माध्यम से ईश्वरीय अनुभूति कराई साथ ही बुराइयों को हवन कुंड में स्वाहा भी कराया ।इस सफल आयोजन के लिए दीदी ने सभी को हृदय से धन्यवाद किया और दीदी बधाई दी। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं द्वारा दीदी का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर नगरजनों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया ।दीदी ने सभी से एकाग्रता और समझ को विकसित करने के लिए नियमित मेडिटेशन का आग्रह किया,जिससे तन और मन दोनों स्वस्थ रहे और शीघ्र लक्ष्य प्राप्ति में सफलता मिल सके,साथ ही समय के सदुपयोग की बात भी कही ।प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ ।इस अवसर पर ग्रामीण जन, धर्मप्रेमी, वरिष्ट जन भारी संख्या में सम्मलित हुये, और पुण्यलाभ लिया।

रानी रुपमति मकबरे के पास रोड पर अब नहीं जमा होगा वर्षा जल

मंत्री ने दिए थे समाधान के निर्देश, सीसी सड़क का हो रहा निर्माण

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

पुराने एबी रोड से करीब एक किमी दूरी पर रानी रुपमति के मकबरे के पास सारंगपुर-किठोर जोड पर उबड़-खाबड़ रोड तथा जल भराव की समस्या का समाधान प्रधानमंत्री सड़क योजना विभाग के द्वारा किया जा रहा है। जिसके तहत सीसी सड़क 500 मीटर के हिस्से में 5 लाख रुपये की लागत से बन रही है। दरअसल पिछले दिनों बालाजी गार्डन में राज्यमंत्री टेटवाल द्वारा आयोजित मंथन बैठक में मगराना निवासी धर्मेंद्र गुर्जर ने मप्र शासन के मंत्री एवं सारंगपुर विधायक गौतम टेटवाल को उक्त समस्या से अवगत कराया था और बताया था कि तलेन, टिकोद, करोंदी, मगराना, काचरिया और किठोर, मंगलाज की तरह से आने और जाने वाले लोगों को सारंगपुर शहर से जोड़ने वाले हिस्से पर रानी रुपमति मकबरे के बाद समस्या आती है। जिसको संज्ञान में लेते हुए मंत्री श्री टेटवाल ने संबंधित सड़क विभाग पीएम सड़क योजना के अधिकारियों को निर्देशित किया। जिसके बाद सड़क के जोड़ पर पीएम सड़क विभाग शाजापुर के द्वारा सीसी सड़क बनाई जा रही है। विभाग के इंजीनियर नरेंद्र चौहान ने बताया कि इस सड़क के बनने से दिक्कते समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही सड़क का चौड़ीकरण भी किया जाएगा, जिससें करीब 25 किमी की पुरी सड़क चोड़ी हो जाएगी। इस समस्या के समाधान पर विधायक प्रतिनिधि श्रीगुर्जर, मगराना सरपंच महेश गुर्जर, करोंदी सरपंच राकेश परमार सहित ग्रामीणों ने मंत्री श्री टेटवाल का आभार प्रकट किया है।

मंत्री ने किए संत शिरोमणि श्रीरविदासजी के दर्शन एवं पूजन

बैठक में समाजजनों के साथ संत रविदास जयंती की तैयारियों की समीक्षा की

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

सोमवार को सारंगपुर में मप्र शासन के राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने संत शिरोमणि श्री रविदास जी के दर्शन एवं पूजन किया और निधि से प्रदत्त सामुदायिक भवन के निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर समाजजनों के साथ संत रविदास जयंती की तैयारियों की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि संत रविदास जी के विचार हमें समाज में समरसता, समानता और सेवा भाव की प्रेरणा देते हैं। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज के उत्थान के लिए हम निरंतर कार्यरत रहेंगे। निरीक्षण के दौरान मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद उपस्थित रहे।

बैठक में रविदास जयंती मनाने पर हुई चर्चा

सोमवार को समस्त रविदास समाज की ओर से सारंगपुर में मीटिंग रखी गई। जिसमें आने वाली 12 फरवरी को रविदास जयंती सारंगपुर में धूमधाम से मनाए जाने पर चर्चा हुई। बैठक समाजसेवी अर्जुन प्रसाद मांडले, पटवारी कन्हैयालाल फुलेरिया, जीतू फुलेरिया, जगदीश, पार्षद बाबूलाल अहिरवार, घीसूलाल, विक्रम अहिरवार, दिनेश अहिरवार, पंकज सिसोदिया, जितेंद्र खानगा, कैलाशचंद पटवारी, शंकर लाल धीनका, नानूराम, लखन मंडल, जगन्नााथ, दरियाव सिंह, ताराचंद राजोरिया, नारायण सिंह सहित सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर सभी प्रशासनिक एवं प्राइवेट संस्थाओं में शान से ध्वजारोहण कर तिरंगा फहराया गया..

लोकहित की पुकार, नरसिंहगढ़

एसडीएम सुशील कुमार ने अपने कार्यालय में ध्वजारोहण किया एवं राष्ट्रगान किया, तहसील कार्यालय में तहसीलदार विराट अवस्थी ने अपने स्टाफ के साथ ध्वजारोहण किया गया, जनपद पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष संजू दीवानसिंह राजपूत ने एवं जनपद पंचायत के कर्मचारियों के साथ ध्वजारोहण किया ।

न्यायाधीशों व अधिवक्ताओं ने अदालत परिसर में ध्वजारोहण किया गया साथ ही पीडब्ल्यूडी ऑफिस में एसडीओ अरुण कुमार श्रीवास्तव द्वारा अपने स्टाफ के साथ ध्वजारोहण किया,.. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एसडीओ देवेंद्रसिंह गोड़ अपने स्टाफ के साथ के ध्वजारोहण किया करराष्ट्रगान किया..

नगर पालिका कार्यालय में नापा अध्यक्ष कविता वर्मा, नगर पालिका सीएमओ अभिषेक जैन अपने स्टाफ के साथ ध्वजारोहण कर मुख्यमंत्री संदेश का वाचन किया गया द्य । कार्यालय एसडीओपी उपेंद्र सिंह भाटी अपने स्टाफ के साथ झंडा वंदन किया और. शहीदों को नमन किया.. कृषि विभाग में कृषि अधिकारी राठौर साहब अपने स्टाफ के साथ ध्वजारोहण किया.. पुलिस थाना प्रभारी शिवराज सिंह चौहान अपने स्टाफ के साथ झंडा वंदन किया गया मुख्यमंत्री संदेश का वाचन किया गया ।

प्राइवेट संस्थानों में भी शान से फहराया गया तिरंगा प्रशासनिक अधिकारी एवं प्राइवेट सामाजिक संस्था रामी बाई धर्मशाला के अध्यक्ष ने किया झंडा वंदन साथ शान से फहराया तिरंगा.. और सभी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नगरवासियों देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामना दी और प्रशासनिक अधिकारियों नेएवं जनप्रतिनिधियों ने विजय स्तंभ शहीदों को नमन कर पुष्प अर्पित किया एसडीएम सुशील कुमार देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कुवर चैन सिंह जी प्रतिमा नमन पुष्प अर्पित किये.. श्रीमती कमलाबाई तोमर पति स्वर्गीय शंभू सिंह की तोमर श्रीमती शकुंतला बाई पति स्वर्गीय मूल सिंह उम ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के निवास परजाकर साल शरीफ एवं स्मृति देकर उनके तहसीलदार विराटअवस्थी नगर पालिका सीएमओ अभिषेक जैन एवं नरसिंहगढ़ पटवारी महेश जोशी राजेंद्र शर्मा नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि लोकेंद्र वर्मा एवं नपा कर्मचारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिजनों का शाल श्री फल देकर सम्मान किया। सभी प्रशासनिक अधिकारियों शहीद स्मारक विजय स्तंभ शहीदों को नमन कर पुष्प अर्पित सलामी दी गई । कई विभाग द्वारा शासन की जन कल्याणकारी योजना की झांकियां निकाली गई एवं प्राइवेट स्कूल द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुति दी गई जिस स्कूल का बच्चों ने अच्छी प्रस्तुति दी उनको इस अवसर पर एसडीएम सुशील पुरस्कार वितरण किया। हम सभी को अपने राष्ट्र धर्म का पालन सर्वप्रथम करना चाहिए। इस मौके पर बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं एवं प्रशासनिक अधिकारी वह शहर के गणमान नागरिक उपस्थित है गणतंत्र दिवस का सभी लोगों ने बड़े हर्षोल्लास से मनाया और एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की शुभकामना देते हुए नजर आया। नगर पालिका प्रशासन साफ सफाई एवं व्यवस्था अच्छी की गई थी सभी जगह नरसिंहगढ़ एसडीओपी उपेंद्र सिंह भाटी थाना प्रभारी अपने स्टाफ के साथ ट्रैफिक व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए घूम रहे थे.

दैनिक लोकहित की पुकार के लिए स्वामी प्रकाशक मुद्रक संतोष पुष्पद द्वारा सोनू ग्राफिक्स राधा कृष्ण कांप्लेक्स सारंगपुर राजगढ़ 46569। से मुद्रित व सिविल अस्पताल रोड सारंगपुर राजगढ़ मध्यप्रदेश 46569। से प्रकाशित, संपादक संतोष पुष्पद मोबाइल:- 94254 44 846- सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सारंगपुर रहेगा।